मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के मदाऊ स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने वन विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और रोहिड़ा पर आधारित ब्रोशर का विमोचन भी किया।

'वन महोत्सव को हम जन आंदोलन का रूप दे रहे हैं'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव का शुभारम्भ किया

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में शुद्ध प्राणवायु के लिये नगर वन स्थापित किये जा रहे हैं। केन्द्र सरकार से 22 नगर वन स्थापित करने की स्वीकृति मिल चुकी है तथा 18 और नगर वनों का प्रस्ताव केन्द्र को भेजा गया है।

जयपुर, 27 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति के मूल्यों के अनुरूप हमने मन, वचन और कर्म से सदैव पर्यावरण की सुरक्षा की है। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव पर्यावरण एवं वृक्षों के संरक्षण के प्रति हमारे उत्तरदायित्व का प्रतीक है। इसे हम जन आंदोलन का रूप दे रहे हैं। प्रत्येक प्रदेशवासी अपनी मां के नाम कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं, उसे परिवार का सदस्य मानकर देखभाल करें और हरियालो राजस्थान मिशन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

शर्मा रविवार को जयपुर के मदाऊ स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मां पार्वती और भगवान शिव को समर्पित हरियाली तीज पर वन महोत्सव मनाने का शुभ अवसर मिला है। हरियाली तीज ही नहीं, बल्कि सावन का पूरा महीना भगवान शिव की आराधना और उपासना से जुड़ा है। बाबा भोलेनाथ की विशेष कृपा से हमारे प्रदेश और देश में खूब बारिश हो रही है, जिससे चारों तरफ हरियाली है और खेतों में फसलें लहलहा रही हैं। प्रदेश में आधे से ज्यादा बांध भर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हरियाली तीज के पावन पर्व पर हम एक दिन में ढ ाई करोड़ पौधे लगाकर एक नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियालो मिशन के तहत 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल और पर्यावरण संरक्षण की परम्परा पूरी दुनिया के लिए मिसाल है। मां अमृता देवी ने अपनी तीन बेटियों समेत 363 लोगों के साथ वृक्षों को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहूति दी थी। हम उनकी इस धरोहर को संरक्षित करने के लिए जोधपुर के खेजड़ली में अमृतादेवी इंडिजिनस प्लांट म्यूजियम बनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में शुद्ध प्राणवायु के लिए नगर वन भी स्थापित किए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार से 22 नगर वन स्थापित करने की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 18 अन्य नगर वनों की स्थापना के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भिजवाए गए हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने सिंदूर का पौधा लगाया और ड्रोन के माध्यम से बीजारोपण भी किया। उन्होंने वन विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और रोहिड़ा पर आधारित ब्रोशर का विमोचन भी किया। उन्होंने अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार और इनोवेशन अवॉर्ड का वितरण किया। शर्मा ने विश्वविद्यालय परिसर में जगद्गुरू रामानंदाचार्य की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के राजकीय विद्यालय में हृदय विदारक घटना हुई है। उन्होंने कहा किसी भी व्यक्ति को कहीं पर भी जर्जर भवन दिखाई दे तो संबंधित अधिकारी को तुरंत सूचना दें, ताकि त्वरित कार्यवाही की जा सके।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश एक हरित क्रांति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि हम पौधे को लगाने के साथ ही उसके संरक्षण का कार्य भी कर रहे हैं, जिससे वे वृक्ष का आकार ले सके। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेशभर में हरियालो राजस्थान के अंतर्गत किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

दिल्ली के शालीमार बाग में 15 दिन में झुग्गियां टूटेंगी

■ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पात्रों को मकान दिया जायेगा।

नई दिल्ली, 27 जुलाई। दिल्ली के शालीमार बाग में रेलवे फाटक के पास बनी झुग्गियां को 15 दिन में हटाने का नोटिस मिला है। इस नोटिस के मिलने के बाद से वहां रहने वाले लोगों में भय का माहौल है। सभी को अपना घर टूटने का डर सता रहा है। रविवार को दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने यहां बसे लोगों से कहा कि वो इस मुद्दें पर रेलवे से बात करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में झुग्गी पुनर्विकास के लिए 700 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है, झुग्गी हटेंगी तो पात्रों को मकान मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में पड़ने वाले शालीमार बाग स्थित रेलवे फाटक झुग्गी कैंप का दौरा किया। इन झुग्गी वालों को रेलवे की तरफ से 15 दिन के भीतर झुग्गी ख़ाली करने का नोटिस मिला है।

यहां पहुंचकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि उनकी सरकार ने झुग्गी बस्तियों के विकास के लिए करोड़ों रुपये का बजट निर्धारित किया है। अगर किसी वजह से झुग्गियों को हटाया जा रहा है तो पात्र झुग्गी वालों को मकान देने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि वे लोग सही मायनों में देश की राजधानी के निवासी कहलाएं। मुख्यमंत्री ने झुग्गी वालों से यह भी आग्रह किया कि वे झाड़ूवालों की बातों में न आएं, क्योंकि जब उनकी सरकार थी, तब उन्होंने झुग्गी वालो का मात्र वोटर समझा और वहां शराब पहुंचाई।

राज ठाकरे ने ''मातोश्री'' पहुँचकर उद्धव ठाकरे को जन्म दिन की बधाई दी

उद्धव ठाकरे ने राज से मुलाकात के बाद कहा, ''शिवसेना एक ही है, दो नहीं''

■ कुछ ही समय के अंतराल में दोनों ठाकरे बंधुओं की यह दूसरी मुलाकात है। कुछ दिन पहले मराठी भाषा के मुद्दे पर दोनों भाई 20 साल बाद एक राजनीतिक मंच पर साथ आये थे।

मुंबई, 27 जुलाई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे रविवार को 6 साल बाद उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पहुंचे। राज ठाकरे ने शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे को गले लगाया और बुके देकर जन्मदिन की बधाई दी।

इससे पहले आखिरी बार 6 साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री गए थे। उन्होंने उद्धव परिवार को अपने बेटे अमित की शादी में आने का न्योता दिया था। औपचारिक रूप से राज 2012 में मातोश्री गए थे। उस समय बालासाहेब ठाकरे बीमार थे।

इस मुलकात के बाद उद्धव ठाकरे का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि राज के आने से उनकी खुशी दोगुनी हो गई है। शिवसेना एक ही है दो नहीं। उद्धव का यह बयान महाराष्ट्र की सियासत के लिए बेहद अहम है।

उद्धव ठाकरे ने कहा, ''आप सभी की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं सचमुच उनकी सराहना करता हूं। राज मेरे जन्मदिन पर आए और मुझे शुभकामनाएं दीं - यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उनके आने से मेरी खुशी दोगुनी हो गई है। शिवसेना एक ही है। दो शिवसेना नहीं हैं।

उद्धव ठाकरे से आधे घंटे की मुलाकात के बाद राज ठाकरे मातोश्री से निकले। राज के साथ उनके पार्टी के वरिष्ठ नेता बाला नंदगांवकर और नितिन सरदेसाई भी मौजूद थे।

हाल के दिनों में बेहद कम अंतराल में दोनों भाइयों की यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले मराठी भाषा के मुद्दे पर दोनों भाई लगभग 20 वर्षों में पहली बार एक साथ एक राजनीतिक मंच पर आए और एक संयुक्त रैली को संबोधित किया। इस घटना ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनके संभावित गठबंधन की अटकलों को तेज कर दिया। उसके बाद यह मुलाकात और उद्धव का बयान राज्य की सियासत के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

5 जुलाई को 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ नजर आए थे। इस मौके पर दोनों की तरफ से आगे साथ मिलकर राजनीति करने के संकेत दिए गए थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।

राजद ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2023 में हुए पुनरीक्षण और 2024 में हुए पुनरीक्षण के बीच एक वर्ष में मात्र 4.09 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे जिसमें मृतकों के अलावा कुछ और नाम भी हो सकते हैं।

'दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर जीएसटी का इरादा नहीं है'

वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि जीएसटी परिषद ने ऐसी कोई सिफारिश नहीं की है

■ कर्नाटक के छोटे व्यापारियों पर जारी किये गये जीएसटी बकाया के नोटिस के कारण व्यापारियों में भय व्याप्त हो गया था। केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि ये नोटिस राज्य सरकार के वाणिज्य कर अधिकारियों ने जारी किये थे।

नई दिल्ली, 27 जुलाई। केंद्र की ओर से कहा गया है कि 2,000 रुपए से अधिक के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) आधारित लेनदेन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने की कोई योजना नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में कहा कि जीएसटी परिषद ने 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की कोई सिफारिश नहीं की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है, राज्य मंत्री ने सदन को बताया कि जीएसटी दरें और छूट जीएसटी परिषद की सिफारिशों के आधार पर तय की जाती हैं। यह जवाब कर्नाटक के व्यापारियों को यूपीआई लेनदेन के आंकडों के आधार पर जीएसटी मांग नोटिस मिलने के बाद आया है।

केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी पिछले हफ्ते कहा था कि कर्नाटक में छोटे व्यापारियों को जारी किए गए जीएसटी नोटिस राज्य सरकार की ओर से हैं, केंद्र सरकार की ओर से नहीं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस दावे पर, कि कर नोटिस जारी करने में राज्य की कोई भूमिका नहीं है, जोशी ने इस बयान को हास्यास्पद बताया।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा, कर्नाटक के वाणिज्यिक कर अधिकारियों ने ही छोटे व्यापारियों को जीएसटी बकाया नोटिस जारी किए थे। फिर भी, राज्य सरकार अब यह दिखावा कर जनता को गुमराह कर रही है कि इसमें उसकी कोई संलिप्तता नहीं है। यह जिम्मेदारी से बचने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने सवाल किया, अगर जीएसटी नोटिस केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए होते, तो कई अन्य राज्यों के व्यापारियों को भी मिल गए होते। लेकिन ऐसा कहीं और नहीं हुआ। ये नोटिस केवल कर्नाटक में ही क्यों भेजे जा रहे हैं?

उन्होंने स्पष्ट किया कि जीएसटी के केंद्र सरकार के अधीन सीजीएसटी (केंद्रीय जीएसटी) और राज्य सरकारों के अधीन एसजीएसटी (राज्य जीएसटी) दो घटक हैं। कर्नाटक के छोटे व्यापारियों को ये नोटिस राज्य के वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जारी किए गए हैं।

अमृतसर में अंतर्राष्ट्रीय हथियार तस्करों का गिरोह पकड़ा गया

■ गिरफ्तार किये गये पांच तस्करों के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से सीधे संबंध थे

अमृतसर, 27 जुलाई। पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने हथियार तस्करों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के गुर्गों के साथ सीधे संबंध थे। पंजाब पुलिस प्रमुख ने रविवार को बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने अत्याधुनिक हथियारों के एक बड़े सीमा पार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में केंद्रीय एजेंसियों ने भी पंजाब पुलिस का साथ दिया। संयुक्त अभियान में जिस हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है, उसे पाकिस्तान की आईएसआई के आका संचालित कर रहे थे।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि इस कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एके सैगा 308 असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार मैगजीन, एके राइफल के 90 जिंदा कारतूस, 10 जिंदा पिस्तौल कारतूस, 7.50 लाख रुपये नकद, एक कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

गौरव यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपियों के पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों से सीधे संबंध थे। पकड़ी गई खेप गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के ज्ञात सहयोगी नव उर्फ नव पंडोरी को पहुंचाई जानी थी, जो एक व्यापक आतंकवादी-गैंगस्टर गठजोड़ का संकेत देता है।''

जग्गू भगवानपुरिया पंजाब के सबसे कुख्यात गैंगस्टरों में से एक है, जिसका आपराधिक नेटवर्क न केवल पंजाब बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला है। जग्गू भगवानपुरिया का असली नाम जसदीप सिंह है।

वह गुरदासपुर जिले के भगवानपुर गांव का निवासी है और उसे ''वसूली किंग'' के रूप में भी जाना जाता है। वह हत्या, डकैती, ड्रग तस्करी, हथियारों की तस्करी और गैंगवार जैसे कई गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। जग्गू ने हाई स्कूल की पढ़ ाई पूरी करने के बाद अपराध की दुनिया में कदम रखा। एक गैंगस्टर गुरी ने उसे अपराध की राह पर लाया।

'इंसाफ व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी ने कहा हम इन उजाड़े गए परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं। ये लड़ाई अब सिर्फ़ घरों की नहीं, इंसाफ़ और इंसानियत की है और हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे।

मोदी ने राजा राजेन्द्र चोल की हज़ारवीं जयंती के समारोह में भाग लिया

पांच दिवसीय समारोह के समापन पर पद्मभूषण उस्ताद इलैयाराजा ने अपनी मंडली के साथ संगीतमय प्रस्तुति दी

■ प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहासकारों ने चोल वंश के काल को भारत का स्वर्णिम काल माना है। यह काल लोकतंत्र की जननी था। उस समय चुनाव की कुदावोलाई पद्धति प्रचलित थी।

चेन्नई, 27 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज तमिलनाडु के अरियालुर जिले में स्थित गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरुवाथिरई उत्सव में शामिल हुए। इस मंदिर का निर्माण राजा राजेंद्र चोल-1 ने कराया था।

मुप्पेरुम विझा नाम का यह उत्सव केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा राजेंद्र चोल-1 के दक्षिण पूर्व एशिया के समुद्री अभियान के 1000 वर्ष पूरे होने, सम्राट की जयंती और गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण की शुरुआत के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है।

मोदी वाराणसी से गंगा नदी का जल अपने साथ लाए थे और विशेष प्रार्थना करने और शिवाचार्यों द्वारा भगवान सोझीश्वर(भगवान शिव) का गंगा नदी के पवित्र जल से अभिषेक करने के बाद, मोदी ने मंदिर में भगवान और देवी दुर्गा के विशेष दर्शन किए।

मोदी को बाद में, पूर्ण कुंभ के साथ पारंपरिक मंदिर सम्मान दिया गया और एक रेशमी अंगवस्त्रम, पवित्र भस्म और प्रसाद भेंट किया गया।

मोदी ने इसके पश्चात एक आधिकारिक समारोह में, महान राजा पर एक विशेष स्मारक सिक्का जारी किया। तमिल राजा राजेंद्र चोल-1 की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित यह पाँच दिवसीय उत्सव मंदिर के निर्माण के 1000 वर्ष पूरे होने पर, 23 जुलाई को शुरू हुआ और आज इसका समापन हुआ। कार्यक्रम का समापन संगीत उस्ताद पद्म विभूषण इलैयाराजा और उनकी मंडली द्वारा संगीतमय प्रस्तुति के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि राज्यसभा के मनोनीत सदस्य उस्ताद इलैयाराजा द्वारा चोल राजा राजेंद्र चोल-1 को दी गई संगीतमय श्रद्धांजलि ने उन्हें एक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान किया।

मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत वणक्कम (हाथ जोड़कर) के साथ की। उन्होंने राजराजा चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल-1 को भारत की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों ने चोल वंश के काल को भारत का स्वर्णिम काल माना है और यह काल लोकतंत्र की जननी था क्योंकि उस समय चुनाव की कुदावोलाई पद्धित प्रचलित थी।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि राजेन्द्र चोल ने गंगईकोंडा चोलपुरम में पोन्नेरी में बनी झील में गंगा नदी से जल लाकर भरा था, प्रधानमंत्री ने कहा कि बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण उन्होंने किया था और ये नगर बसाया था जिसे स्थापत्य कला का बेहतरीन नमूना माना जाता है। बृहदेश्वर मंदिर तंजावुर मंदिर की प्रतिकृति है जिसका निर्माण राजेन्द्र चोल के पिताजी ने कराया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाराणसी के जनप्रतिनिधि और गंगा नदी के बेटे के रूप में वह इस नगर में गंगा जल लाकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

ममता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेशव्यापी भाषा आंदोलन शुरू किए जाने की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि यह आंदोलन बोलपुर स्थित शांतिनिकेतन से शुरू होगा और यह बंगाली भाषा तथा लोगों की गरिमा को बनाए रखने के लिए समर्पित एक आंदोलन होगा।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक कल दोपहर दो बजे लॉज मोड़ से एक रैली शुरू होगी और शांतिनिकेतन रोड से होते हुए चौरास्ता, श्रीनिकेतन रोड होते हुए जमुर्डी बस स्टैंड पर समाप्त होगी, जहां मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगी। पूरे रास्ते में, सांस्कृतिक समूह बंगाली भाषा और संस्कृति पर कथित हमले के विरोध में विभिन्न चौराहों पर गीत और कविता पाठ प्रस्तुत करेंगे।

दो दिन संसद में भाजपा सरकार को घेरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 27 जुलाई। संसद के मॉनसून सत्र में सोमवार को लोकसभा और मंगलवार को राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर खास बहस होने जा रही है। इससे पहले कांग्रेस ने सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। पार्टी ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े उन तमाम घटनाक्रमों को सामने रखा, जो अब तक चर्चा में थे लेकिन औपचारिक बहस से बाहर रहे। खास बात यह रही कि कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस दावे को भी मुद्दा बनाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत पर व्यापार रोकने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिन का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने तब कोई सुनवाई नहीं की। रमेश ने कहा कि अभी जो 16 घंटे की बहस लोकसभा में और उसके बाद राज्यसभा में होने जा रही है, वह देर से हो रही है लेकिन अच्छा है कि हो रही है।

कांग्रेस ने ट्रंप के बार-बार किए जा रहे उस दावे को भी मुद्दा बनाया जिसमें वे कहते रहे कि उन्होंने भारत को व्यापारिक धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया। रमेश ने यह भी कहा कि ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को लंच पर बुलाया, जो अभूतपूर्व है। अमेरिकी कमांड और विदेश मंत्री द्वारा पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी भूमिका की तारीफ पर भी सवाल खड़े किए गए हैं।

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय मीडिया के एक वर्ग पर भी निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय के मीडिया मैनेजर्स ने 'मनगढ़ंत नैरेटिव' गढ़ वाया, जो केवल घरेलू दर्शकों के बीच ही चला।

अनिल अंबानी की कंपनियों पर ईडी की कार्यवाही समाप्त हुई

देश भर में कई दिन चली ईडी की कार्यवाही 24,000 करोड़ रूपए की कथित मनी लॉण्डरिंग मामले में थी

■ अनिल अंबानी समूह की कंपनी ने अधिकारिक बयान में कहा कि वह जाँच एजेंसियों को पूरा सहयोग कर रही है और भविष्य में भी करेगी। कंपनी ने कहा कि इस कार्यवाही का कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, निवेशकों, कर्मचारियों व हितधारकों पर कोई असर नहीं पड़ा।

नई दिल्ली, 27 जुलाई। अनिल अंबानी समूह की दो प्रमुख कंपनियों, रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की देशभर में चली कई दिनों की छापे की कार्रवाई आखिरकार खत्म हो गई है। इन कंपनियों पर यह कार्रवाई 24,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के कथित मनी लॉण्डरिंग केस के तहत की गई थी। रविवार को कंपनी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की कि ईडी की छापे की कार्रवाई अब सभी स्थानों पर समाप्त हो चुकी है।

कंपनी ने साफ कहा है कि वह जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग कर रही है और भविष्य में भी करती रहेगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि इस कार्रवाई का न तो कंपनी के कारोबार पर असर पड़ा है, न ही वित्तीय प्रदर्शन, निवेशकों, कर्मचारियों या किसी भी अन्य हितधारक पर। गुरुवार से शुरू हुई यह कार्रवाई अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) से जुड़ी कई कंपनियों और व्यक्तियों पर की गई। प्रवर्तन निदेशालय ने यह कार्रवाई यस बैंक, केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा से मिले लोन और रिलायंस म्यूचुअल फंड द्वारा यस बैंक के बॉन्ड्स में किए गए निवेश की जांच के सिलसिले में की थी। ईडी को संदेह है कि इन लेन-देन में रिश्वत और फंड डायवर्ज़न जैसी गंभीर गड़बड़ियां हो सकती हैं।

इस छापे की कार्रवाई के दायरे में देश के 35 से ज्यादा ठिकानों, 50 से अधिक कंपनियों और 25 से अधिक लोगों के नाम आए। हालांकि, अनिल अंबानी का मुंबई स्थित आवास इस जांच की रडार में शामिल नहीं था।

रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों ने अपने साझा बयान में कहा कि जिन लेन-देन को लेकर जांच चल रही है, वे रिलायंस कम्युनिकेशन (आरसीओएम) और रिलायंस होम फाइनेंस (आरएचएफएल) से जुड़े हैं, जिनका रिलायंस पावर और इंफ्रा की मौजूदा गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है।

बयान में यह भी दोहराया गया कि अनिल अंबानी इन दोनों कंपनियों के बोर्ड का हिस्सा नहीं हैं। वे 2019 में दिवालिया हो चुकी आरसीओएम के बोर्ड से इस्तीफा दे चुके हैं और अब किसी भी एडीएजी कंपनी में डायरेक्टर नहीं हैं।

सूत्रों के मुताबिक, 2017 से 2019 के बीच एडीएजी से जुड़ी कुछ कंपनियों द्वारा करीब 3,000 करोड़ रुपये के लोन डायवर्ट किए गए थे। ईडी को इस बात के सबूत मिले हैं कि लोन मंजूर होने से ठीक पहले कुछ फर्मों से यस बैंक प्रमोटर्स के लिंक वाले खातों में पैसा ट्रांसफर हुआ था, जिससे किकबैक की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा जांच में यह भी सामने आया है कि कई ऐसी कंपनियों को लोन दिया गया, जो पहले से वित्तीय रूप से कमजोर थीं। कुछ मामलों में तो एक ही दिन में लोन मंजूर और जारी कर दिए गए, साथ ही एक जैसी निदेशक और पते वाली कंपनियों को बार-बार लोन देकर लोन की एवरग्रीनिंग भी की गई।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908